Class - VIII

Sub - Lower Hindi

(1)

Page No :
Date :

Ch: 14 तुम भी ऊँचे बन जाओ

1. मौखिक

क) नभ हमसे क्या कहता है?

⇒ नभ हमसे यह कहता है कि तुम तन-मन से इतने विशाल बन जाओ कि तुम सबको छाया दे सको जैसे आकाश देता है।

ख) मन में गंभीरता लाने की प्रेरणा कौन देता है?

⇒ मन में गंभीरता लाने की प्रेरणा सागर देता है।

ग) चंचल लहरें हमें क्या सिखाती हैं?

⇒ चंचल लहरें हमें अपने मन में मीठी उमंग भरना सिखाती हैं।

घ) धरती हमें क्या संदेश देती है?

⇒ धरती हमें यह संदेश देती है कि हमें कभी भी अपना धीरज नहीं छोड़ना चाहिए चाहे हमारे ऊपर कितनी ही जिम्मेदारी क्यों न हो।

2. लिखित

क) प्रस्तुत कविता हमें क्या संदेश देती है?

⇒ प्रस्तुत कविता हमें पर्वत की तरह ऊँचा बनने, सागर की तरह मन में गहराई लाने, लहरों की तरह मन में मिठास भरी उमंग भरने, पृथ्वी की तरह धैर्य रखने तथा नभ की तरह विशाल बनने का संदेश देती है।

ख) कविता के कवि का क्या नाम है?

⇒ कविता के कवि का नाम सोहनलाल द्विवेदी है।

ग) पर्वत हमसे क्या कहता है?

⇒ पर्वत हमसे शीश उठाकर ऊँचा बनने को कहता है।

अभ्यास

(२)

मौखिक-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) नभ हमसे क्या कहता है?

(ख) मन में गंभीरता लाने की प्रेरणा कौन देता है?

(ग) चंचल लहरें हमें क्या सिखाती हैं?

(घ) धरती हमें क्या संदेश देती है?

लेखन-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) प्रस्तुत कविता हमें क्या संदेश देती है?

(ख) कविता के कवि का क्या नाम है?

(ग) पर्वत हमसे क्या कहता है?

कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

(क) सागर कहता ......है लहराकर......,
मन में ......गहराई लाओ...... ॥

(ख) पृथ्वी कहती ......धैर्य न छोड़ो......,
कितना ही हो ......सिर पर भार...... ।

निम्नलिखित शब्दों के समान तुक वाले शब्द लिखिए-

(क) तरंग - ......उमंग......

(ख) उठाकर - लहराकर

(ग) जाओ - ......लाओ......

(घ) भार - ......संसार......

5. खंड 'अ' का खंड 'ब' से मिलान कीजिए–

खंड 'अ'	खंड 'ब'
(क) पर्वत	(i) विस्तार (घ)
(ख) सागर	(ii) ऊँचाई (क)
(ग) पृथ्वी	(iii) धैर्य (ग)
(घ) नभ	(iv) गहराई (ख)

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) धैर्य - अधीरता (ख) मृदुल - कर्कश

(ग) गहराई - उथला (घ) मीठा - खट्टा

7. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) संसार - जग, जगत (ख) सागर - समुद्र, सिंधु

(ग) नभ - गगन, आसमान (घ) पर्वत - पहाड़, नग

परियोजना

- श्री सोहनलाल द्विवेदी जी के बारे में **जगत जोड़ता जाल** से जानकारी प्राप्त कीजिए।
- इस कविता का सस्वर पाठ कीजिए